समाचार

‘‘मैं स्कूल जाना चाहती हूँ’’: डीआरसी में मेनोनाइट राहत कार्य

कांकू नगालामुलुमे और कापिंगा न्तुम्बा अनाथ बच्चे हैं जो इस क्षिकापा में रहते हैं, जहाँ वे भाग कर आए जब उनके माता पिता को कांगों के कसई क्षेत्र में मार डाला गया। एमसीसी फोटो: मुलांडा जुमा

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: मंगलवार, 21 अगस्त 2018

दस वर्षीय कांकू नगालामुलुमे को सेंगे नामक गाँव के अपने घर से भागना पड़ा जब सशस्त्र बलों ने उसकी माता और उसके पिता के साथ साथ उसके भाई बहनों के भी सिर काट दिया।

वह कांगों में कसई क्षेत्र के उन 14 लाख लोगों में से एक है जिन्हें बलपूर्वक उनके घरों से निकाल दिया गया जब अगस्त 2016 में स्थानीय लड़ाकुओं और कांगोलियों के बीच में हिंसा भड़क उठी।

बिलखते हुए, कांकू ने एमसीसी के प्रतिनिधि मुलांडा जुमा को बताया कि अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु के बाद, वह भाग कर गाँव के दूसरे लोगों के साथ झाड़ियों में छिप गया। वे क्षिकापा शहर पहुँचने के लिए पैदल पाँच घण्टों तक चलते रहे, जहाँ एक अन्य विस्थापित मामा अग्नेस उनकी देखभाल कर रहा था।

फरवरी में, जब जुमा ने उससे बातें की, तो कांकू ने बताया कि वह निराश है।

यह इससे पहले कि बात है जब तीन स्थानीय ऐनाबैपटिस्ट कलीसियाओं ने मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी और अन्य ऐनाबैपटिस्ट समूहों की सहायता से भोजन का वितरण किया था। अप्रेल से जून तक, कलीसियाओं ने आटा, बीन्स, तेल, और नमक 830 परिवारों को और स्वास्थ्य सामग्रियों का 1000 महिलाओं और लड़कियों को वितरित किया।

स्थानीय कलीसियाओं में एमडब्ल्यूसी की निम्नलिखित सदस्य कलीसियाएं शामिल हैं: किकविट में सीइएफएमसी; मेनोनाइट ब्रदरन चर्च ऑफ काँगों कार्य कर रही है; काबवेला में सीइएम; इव्हेंजलिकल मेनोनाइट चर्च कार्य कर रही है; क्षिकापा में सीएमसीओ; मेनोनाइट चर्च ऑफ काँगों कार्य कर रही है।

कांकू और एक बारह वर्षीय लड़की कापिंगा न्तुम्बा ने, जो अप्रेल 2012 में कोमाया गाँव को भाग गए थे, जुलाई में एमसीसी प्रोग्राम मैनेजर मैथ्यू अब्वे लुहागेला को बताया कि वे वितरण किए गए भोजन को पाकर बहुत खुश हैं, परन्तु आने वाले समय में उन्हें और अधिक भोजन की आवश्यकता होगी।

कापिंगा भी एक अनाथ लड़की है जो अपने माता पिता की सशस्त्र बलों द्वारा हत्या के बाद अपने पैरों पर खड़े होने के लिए संघर्ष कर रही है।

उसने जुमा को बताया, ''मेरी नामक महिला मेरी देखभाल कर रही है। हम क्षिकापा में एक आराधना भवन में रहते हैं। भागने से पहले मैं स्कूल में पढ़ रही थी। मुझे स्कूल जाना है।''

कलीसियाएं इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए 500 से अधिक विद्यार्थियों का शिक्षण शुल्क वहन कर रही हैं। जब सितम्बर में स्कूली सत्र आरम्भ होगा, तब बच्चों के पहनने के लिए गणवेश और अन्य स्कूली सामग्रियाँ की भी व्यवस्था की जाएगी।

उनके लिए कुछ और भोजन का भी प्रबन्ध हो जाएगा क्योंकि कलीसियाएं काबवेला, किकविट, और क्षिकापा के 1,180 घरों को अगस्त में पाँच महीनों के राशन का वितरण कर रही है। पाँच लाख अठ्ठाइस हजार डालर के इस राशन का प्रबन्ध कनैडियन फूडग्रेन बैंक में एमसीसी के खाते से किया गया और यह उस समय तक के भोजन की कमी को आपूर्ति करेगा जब तक ऐसे परिवार जिनके पास भूमि है, अपने खेतों को तैयार कर नई फसल तैयार करेंगे।

वर्तमान में, कसई से विस्थापित लोगों की संख्या घट कर नौ लाख रह गई है, परन्तु वहाँ हुए संघर्ष ने इस क्षेत्र में भोजन की भारी कमी उत्पन्न कर दी है, जिससे कि लगभग 32 लाख लोग प्रभावित हैं। यूनीसेफ के द्वारा बताया गया है कि, चार लाख बच्चों पर कुपोषण के कारण जान का खतरा है।

कलीसियाएं मिलकर एमसीसी के साथ कार्य कर रहीं हैं कि घर लौट चुके लोगों और साथ ही अभी भी विस्थापित रह गए परिवारों का सहयोग करने के लिए उनकी जीविका को पुनर्जीवित करने की योजनाएं तैयार करें। इसके अतिरिक्त, शान्ति स्थापना और मानसिक अघात से चंगाई की योजनाएं भी तैयार की जा रही हैं।

सीइएम के अध्यक्ष जीन फेलिक्स सिम्बालंगा वा म्पोयी कहते हैं, ''परमेश्वर को महिमा और आदर मिले, कि उसने अपने पवित्र आत्मा के द्वारा, आपके भीतर प्रेम की एक ऐसी भावना उत्पन्न किया जो क्रियाशील संगति की एक अभिव्यक्ति है। मैं अपने उन सभी साझेदारों को धन्यवाद देता हूँ और अपनी कृतज्ञता प्रगट करता हूँ जिन्होंने खाद्य सहायता लाने के द्वारा स्वेच्छा से कांगों के लोगों की दुर्दशा को समझा। आपकी प्रार्थनाओं का हमारी कलीसियाओं के जीवन पर एक सकारात्मक असर हमेशा बना रहेगा।''

भोजन और शिक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली ऐनाबैपटिस्ट संस्थाओं में अफ्रीका इन्टर मेनोनाइट मिशन; फ्रेंच मेनोनाइट डेवलपमेंट आर्म; इन्टरनेशनल कम्युनिटी ऑफ मेनोनाइट ब्रदरन; एमबी मिशन; मेनोनाइट सेन्ट्रल चर्च कनाडा विटनेस; मेनोनाइट मिशन नेटवर्क; मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस; और स्विस मेनोनाइट कॉंफ्रेंस शामिल हैं।

– एमसीसी फाइलों के आधार पर एमडब्ल्यूसी कर विज़प्ति

कसई में चल रहे राहत कार्य में सहयोग करने के लिए यहाँ क्लिक करें mcc.org/congo-relief